

Climatic Requirement:

Soil: Well-suited for loam to clay-loam soils with good organic matter. Optimum soil pH: 5.5-7.5. Avoid highly saline or alkaline soils.
Climate: Prefers warm and humid conditions. Requires continuous moisture from transplanting to flowering. Sensitive to drought at tillering and panicle initiation stages.

Sowing / Nursery Time: Kharif Season: May - July

Crop Duration: 135-140 days **Seed Rate:** 4-5 kg per acre (nursery)

Grain Type :

Long slender, Good aroma.

Nursery Management:

Prepare raised nursery beds with fine tilth. Maintain proper moisture and weed-free nursery. Seedlings ready in 25-30 days.

Transplanting & Spacing:

25-30 days old seedlings, 20 cm x 15 cm spacing, 1-2 seedlings per hill.

Land Preparation:

Deep ploughing followed by puddling. Maintain 2-3 cm water at transplanting. Level field well.

Fertilizer Dose (per acre):

Urea	SSP	MOP:
80-100 kg (37-46 kg N)	80-100 kg (13-16 kg P ₂ O ₅)	25-30 kg (15-18 kg K ₂ O)
Split Application of Nitrogen: Basal: 1/3 Tillering: 1/3 Panicle Initiation: 1/3		

Irrigation Schedule:

• Maintain 2-3 cm water after transplanting. Maintain 3-5 cm water till flowering. Drain water 10-12 days before harvest.

Weed Control:

• Pre-emergence: Pretilachlor @ 600 ml/acre, 3-5 DAT.
• Post-emergence: Bispyribac Sodium @ 80-120 ml/acre at 20-25 DAT.
• Hand weeding at 30 DAT if needed.

Pest & Disease Management:**Pests:**

• Stem Borer: Chlorantraniliprole 0.3 ml/l.
• Leaf Folder: Emamectin Benzoate 0.4 g/l.
• BPH: Dinotefuran 40-60 g/acre or Imidacloprid 0.5 ml/l.

Diseases:

• Blast: Tricyclazole 0.6 g/l.
• Sheath Blight: Validamycin or Hexaconazole.
• BLB: Copper Oxychloride + Streptocycline.

Maturity Indicators:

• Panicles turn golden yellow. Grains become firm. Grain moisture 20-22%.

जलवायु आवश्यकता:

मिट्टी: अच्छे कार्बनिक पदार्थों के साथ दोमट से चिकनी-दोमट मिट्टी के लिए अच्छी तरह से अनुकूल है। आदर्श मिट्टी पीएच: 5.5-7.5। अत्यधिक खारी या क्षारीय मिट्टी से बचें।
जलवायु: गर्म और आर्द्र परिस्थितियों को प्राथमिकता देता है। रोपाईं से लेकर फूल आने तक निरंतर नमी की आवश्यकता होती है। जुताई और पुष्पगुच्छ दीक्षा चरणों में सूखे के प्रति संवेदनशील।

बुवाई का समय: खरीफ का मौसम: मई-जुलाई

फसल की अवधि: 135-140 दिन **बीज दर:** 4-5 किग्रा प्रति एकड़ (नर्सरी)

अनाज का प्रकार:

लंबे पतले, अच्छी सुगंध।

नर्सरी प्रबंधन:

ठीक ढिल्थ के साथ उठाए गए नर्सरी बेड तैयार करें। उचित नमी और खरपतवार मुक्त नर्सरी बनाए रखें। 25-30 दिनों में अंकुर तैयार हो जाते हैं।

रोपाई और स्पेसिंग:

25-30 दिन पुराने अंकुर। 20 सेमी x 15 सेमी की दूरी। प्रति पहाड़ी 1-2 अंकुर।

भूमि की तैयारी:

गहरी जुताई के बाद पोखर चलाना। रोपाईं के समय 2-3 सेमी पानी बनाए रखें। स्तर क्षेत्र अच्छी तरह से।

उर्वरक खुराक (प्रति एकड़):

यूरिया 80-100 किग्रा. (37-46 किग्रा. N), एसएसपी 80-100 किग्रा. (13-16 किग्रा. P₂O₅)

एमओपी 25-30 किग्रा. (15-18 किग्रा. K₂O)

नाइट्रोजन का विभाजित अनुप्रयोग: बेसल- 1/3, टिलरिंग: 1/3, पुष्पगुच्छ दीक्षा: 1/3

सिंचाई अनुसूची:

रोपाई के बाद 2-3 सेमी पानी बनाए रखें। फूल आने तक 3-5 सेमी पानी बनाए रखें। कटाई से 10-12 दिन पहले पानी निकाल दें।

खरपतवार नियंत्रण:

• पूर्व-उद्भव: प्रीटिलाक्लोर @ 600 मिली/एकड़, 3-5 दिन रोपाईं के बाद।
• उद्भव के बाद: बिस्पीरिबैक सोडियम @ 80-120 मिली/एकड़ 20-25 दिन रोपाईं के बाद।
• 30 DAT पर हाथ से निराई।

कीट एवं रोग प्रबंधन:**कीट:**

• स्टैम बोरर: क्लोरान्त्रानिलिप्रोल 0.3 मिली/लीटर।
• लीफ फोल्डर: इमामेक्टिन बेन्जोएट 0.4 ग्राम/लीटर।
• बीपीएच: डिनोटेफ्यूरान 40-60 ग्राम/एकड़ या इमिडाक्लोप्रिड 0.5 मिली/लीटर।

रोग:

• ब्लास्ट: ट्राइसाइक्लाज़ोल 0.6 ग्राम/लीटर।
• शीथ ब्लाइट: वैलिडामाइसिन या हेक्साकोनाज़ोल।
• बीएलबी: कॉपर ऑक्सीक्लोराइड + स्ट्रेप्टोसाइक्लिन।

परिपक्वता संकेतक:

• पुष्पगुच्छ सुनहरे पीले हो जाते हैं। अनाज दृढ़ हो जाते हैं। अनाज की नमी 20-22%।

The recommended package of practice is based on trials done at company's research stations. As a result of varied soil type, water, weather conditions and crop rotations, the yield of this variety may vary. As method of seed sowing and usage is not in our control, hence, only seed quality can be ensured. Consult the nearest SAU/ICAR Research Stations or your local State Agriculture Officer for guidance in growing good crop.

अभ्यास का अनुसंधान पैकेज कंपनी के अनुसंधान स्टेशनों पर किए गए परीक्षणों पर आधारित है। विभिन्न प्रकार की मिट्टी के प्रकार, पानी, मौसम की स्थिति और फसल चक्र के परिणामस्वरूप, इस किस्म की उपज भिन्न हो सकती है। चूंकि बीज बोने की विधि और उपयोग हमारे नियंत्रण में नहीं है, इसलिए केवल बीज की गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सकती है। अच्छी फसल उगाने में मार्गदर्शन के लिए निकटतम एसएयू/आईसीआर अनुसंधान स्टेशनों या अपने स्थानीय राज्य कृषि अधिकारी से परामर्श करें।

